

नीतीश मिश्रा
Nitish Mishra



मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार

- सह -

अध्यक्ष

राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति,
बिहार

पत्रांक / Ref. No. : 872/13

दिनांक / Date : 20/8/13

प्रबंध निदेशक,
बिहार पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लि०,
पटना ।

मधुबनी जिलान्तर्गत झंझारपुर अनुमंडल मुख्यालय एवं आस-पास के गाँवों में आपूर्ति की जाने वाली बिजली पंडौल ग्रिड से झंझारपुर स्थित पावर-सब-स्टेशन को प्राप्त होती है । पंडौल ग्रिड में 33 के०भी०ए० के 6 फीडर हैं । इन सभी फीडरों में बगैर लोड-शेडिंग के एक साथ बिजली आपूर्ति करना संभव नहीं हो पाता है । फलस्वरूप झंझारपुर को रूक-रूक कर रात्रि 2:00 बजे से संध्या 6:00 बजे तक 4-5 मेगावाट तथा संध्या 6:00 बजे से रात्रि 2:00 बजे तक 2 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाती है । यद्यपि निकटवर्ती फुलपरास में 2,20,000/1,32,000 क्षमता वाली विद्युत आपूर्ति दरभंगा पावर ग्रिड से की जाती है और 12-14 घंटे 12 मेगावाट बिजली उपलब्ध रहती है ।

उल्लेखनीय है कि पंडौल ग्रिड में 20-20 मेगावाट के पुराने पावर ट्रांसफर लगे हुए हैं । पंडौल से झंझारपुर के मध्य संचरण हेतु 33,000 वोल्ट वाले जो तार लगे हुए हैं वे पुराने हो चुके हैं तथा उनके रास्ते में कई जगहों पर बड़े ऊँचे पेड़ भी हैं । फलस्वरूप हल्की आँधी-तूफान में भी जगह-जगह तार के टूट जाने पर विद्युत आपूर्ति बाधित होती है ।

झंझारपुर अनुमंडल मुख्यालय, आस-पास के कई प्रखंडो एवं सैकड़ों गाँवों का मुख्य बाजार एवं समागम स्थल है, जहाँ लगभग सभी प्रकार के सरकारी प्रतिष्ठान, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल-कॉलेज एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं । फलस्वरूप यहाँ प्रति दिन कम से कम 10-12 घंटों के लिए न्यूनतम 10 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की आवश्यकता है ।

वर्णित परिपेक्ष्य में झंझारपुर पावर-सब-स्टेशन को पंडौल ग्रिड से न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति हेतु 8 से 10 मेगावाट विद्युत आपूर्ति को सुचारु रूप से बहाल रखने के लिए पंडौल ग्रिड में कम से कम 50-50 एम०भी०ए० के नये पावर ट्रांसफर्मर के साथ-साथ संचरण लाइन के मार्ग में आने वाले पेड़ों की छटाई, तारों का जम्फरिंग तथा जीर्ण-शीर्ण तारों को बदल कर नये तार लगाने हेतु समुचित कार्रवाई करना चाहेंगे ।

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 20.8.13